मैनेजमेंट के छात्रों ने जानी कंपनी की प्रक्रिया

आइआइएम रायपुर ने वार्षिक विश्लेषिकी संगोष्ठी सिंक्रोनोस का किया आयोजन

रायपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

पिछले कई वर्षों में हुई प्रगति का जायजा लेने, कंपनियां डेटा और विश्लेषण पर बड़े दांव लगाने की बारीकियों को रविवार को मैनजमेंट के छात्रों ने जाना। अधिक डेटा-संचालित निर्णय प्रक्रिया को अपनाने के साथ-साथ लोगों और संगठनों के लिए हमेशा सरल नहीं रहा है। विश्लेषक वास्तविक लाभ प्राप्त करने के लिए कई कंपनियां प्रतिभा, व्यावसायिक प्रक्रियाओं और संगठनात्मक क्षमताओं को विकसित करने के लिए संघर्ष कर रही हैं। व्यवधान और अराजकता के इस माहौल के बीच ऐसे कुछ लीडर हैं, जो नब्ज को समझने में कामयाब रहे हैं और इन परिवर्तनों का लाभ किस तरह उठाया जाए, इस पर रविवार को आइआइएम रायपुर में चर्चा हुई।

विशेषज्ञों ने दिए टिप्स

चतुर व्यापारिक लीडर्स को एनालिसिस – करने के लिए विशेषज्ञों ने अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि सफलता को अंतहीन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसीलिए तो चतुर व्यापारिक लीडर्स अपनी बात को रखने में बिलकुल भी देरी नहीं करते हैं। इसके अलावा आपके लिए सबसे अच्छे विषयों में बिग डेटा, एनालिटिक्स और एआई हैं जो आपको बेहतर बना सकते हैं। मौके पर मुकेश सहारन, निदेशक एनालिटिक्स, कार्तिक पटेल, हेड एनालिटिक्स, डॉ अंकित चौधरी, सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटर साइंस विभाग, मिसौरी विश्वविद्यालय, यूएसए आयोजन में शामिल हुए।

उद्योग जगत की संभावनाओं को समझना जरूरी

कार्तिक पटेल ने बताया कि छात्रों को उद्योग में अपने अनुभव और भविष्य के प्रबंधक बनने के लिए आवश्यक उपकरण और एल्गोरिदम सीखना जरूरी है। परिस्थितियों को संभालने के लिए, प्रबंधक का रवैया सबसे ज्यादा मायने रखता है। उन्होंने असंगठित डेटा की समस्या का हवाला दिया और इस तरह के डेटा को व्यवस्थित करने के लिए उपलब्ध विभिन्न प्लेटफॉर्म की जानकारी दी। वहीं मुकेश सहारन ने समझाया कि किसी भी सफल प्रबंधक को हमेशा सीखते रहना चाहिए और प्रबंधकों को सूचना प्रणाली के साथ व्यापार के एकीकरण की बेहतर समझना होगा। उनके अनुसार, डेटा विश्लेषण के लिए एक मॉडल लागू करने के लिए आंकड़ों और सैद्धांतिक ज्ञान की पूर्व समझ आवश्यक है।

Naiduniya, 10th Dec 2018, P. 7